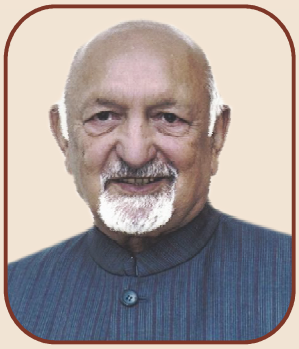

SHRI KIRAN LABHSHANKER VYAS

Shri Kiran Labhshanker Vyas is a bridge between East and West through his journey of Yoga and Ayurveda.

2. Born on 31st March, 1944 in Lakhtar, Gujarat, Shri Vyas studied at Sri Aurbindo Ashram, Pondicherry under the direct guidance of the Mother. He practiced Hatha Yoga with Shri Ambu, and learnt Ayurveda from Vaidyas Kejrimal, Shantarambhai Vaidya and Pragjibhai Rathod.

3. During the year 1968-1975, Shri Vyas founded and directed three experimental schools in Gujarat in collaboration with his father in Bhilad, Bardoli and Nargol. He developed there a new system of integral education based on creativity and physical, mental and spiritual progress. In 1971, he worked at Indian Space Research Organization with Dr. Vikram Sarabhai. He worked at UNESCO Paris as permanent representative and member of the World Council of the INSEA (International Society for Education Through Art).

4. In year 1982, Shri Vyas founded Tapovan, the Centre of Yoga and Indian Culture in Paris which developed into an Open University of Yoga and Ayurveda.

5. Shri Vyas is the author of more than fifteen books on many aspects of Indian Culture such as Yoga, Ayurveda and Education. He speaks six languages - Gujarati, Hindi, Bengali, Sanskrit, English and French. From 2003, he has been organizing International Conferences and Symposiums on Ayurveda and Yoga and Environment. In 2004, he participated in World Religion Congress held in Barcelona and presented a paper on Pre-primary Education and World Peace. He has published various articles on Yoga and Ayurveda. He has given interviews on different platforms such as radio, cinema, television and social media. Since 2006 eminent doctors and research scholars have travelled with him to Gujarat and other places of India to learn the ancient Indian system of medicine- Ayurveda and physical and spiritual practices of Yoga. In 2013, he signed MoU with Gujarat Ayurveda University, in presence of the then Chief Minister Shri Narendrabhai Modi. Since 2015, he has been celebrating International Yoga Day in Paris.

6. Shri Vyas has hold honorary posts of Member of the Consultative Committee of the International Foundation of Yehudi Menuhin, Brussels, Belgium; President of ACE Ayurveda Consortium of Europe. Prague, Czech Republic and Chairman, Sincerite Education Trust, Bardoli, Gujarat.

7. Shri Vyas was honoured with award of “Vishwa Ratna” by the Udupi Ayurvedic University.

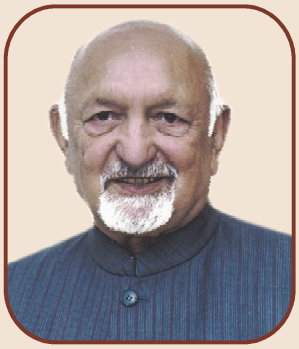

श्री किरण लाभशंकर व्यास

श्री किरण लाभशंकर व्यास योग और आयुर्वेद की अपनी यात्रा के जरिए पूर्व तथा पश्चिम के बीच एक सेतु हैं।

2. 31 मार्च, 1944 को गुजरात के लख्तर में जन्मे, श्री व्यास ने सीधे 'मदर' के मार्गदर्शन में पांडिचेरी के श्री अरबिंदो आश्रम में अध्ययन किया। उन्होंने श्री अंबु के साथ हठ योग का अभ्यास किया। उन्होंने वैद्य केजरीमल, शांतारामभाई वैद्य और प्रागजीभाई राठौड़ से आयुर्वेद सीखा।

3. वर्ष 1968–1975 के दौरान, श्री व्यास ने अपने पिता के सहयोग से गुजरात में भिलाड, बारडोली और नारगोल में तीन प्रायोगिक स्कूलों की स्थापना की और उनका संचालन किया। उन्होंने वहां रचनात्मकता और शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक प्रगति पर आधारित समावेशी शिक्षा की एक नई प्रणाली विकसित की। 1971 में उन्होंने डॉ. विक्रम साराभाई के साथ भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन में काम किया। उन्होंने यूनेस्को पेरिस में स्थायी प्रतिनिधि और INSEA (इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर एजुकेशन थ्रू आर्ट) की विश्व परिषद के सदस्य के रूप में काम किया।

4. वर्ष 1982 में, श्री व्यास ने पेरिस में योग और भारतीय संस्कृति के केंद्र तपोवन की स्थापना की, जो योग और आयुर्वेद के एक मुक्त विश्वविद्यालय के रूप में विकसित हुआ।

5. श्री व्यास भारतीय संस्कृति के कई पहलुओं जैसे योग, आयुर्वेद और शिक्षा पर पंद्रह से अधिक पुस्तकें लिख चुके हैं। वह छह भाषाएं – गुजराती, हिंदी, बंगाली, संस्कृत, अंग्रेजी और फ्रेंच बोलते हैं। 2003 से, वह आयुर्वेद, योग और पर्यावरण पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन तथा संगोष्ठियां आयोजित कर रहे हैं। 2004 में उन्होंने बार्सिलोना में आयोजित वर्ल्ड रिलीजन कांग्रेस में हिस्सा लिया। उन्होंने प्री–प्राइमरी शिक्षा एवं विश्व शांति पर पेपर प्रस्तुत किया। वह योग और आयुर्वेद पर विभिन्न लेख लिख चुके हैं। उन्होंने रेडियो, सिनेमा, टेलीविजन और सोशल मीडिया जैसे विभिन्न मंचों पर साक्षात्कार दिए हैं। 2006 से कई प्रतिष्ठित चिकित्सकों और शोध करने वाले विद्वानों ने आयुर्वेद की प्राचीन भारतीय चिकित्सा प्रणाली और योग की शारीरिक व आध्यात्मिक प्रणाली सीखने के लिए उनके साथ गुजरात और भारत के अन्य स्थानों की यात्रा की है। 2013 में, उन्होंने गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी की मौजूदगी में गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। 2015 से, वह पेरिस में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना रहे हैं।

6. श्री व्यास जिन मानद पदों पर आसीन हैं, वे हैं इंटरनेशनल फाउंडेशन ऑफ यहूदी मेनुहिन, ब्रुसेल्स, बेल्जियम की सलाहकार समिति के सदस्य, आयुर्वेद कंसोर्टियम ऑफ यूरोप (ए.सी.इ.) के अध्यक्ष प्राग, चेक गणराज्य के अध्यक्ष और सिंसराइट एजुकेशन ट्रस्ट, बारदोली, गुजरात के अध्यक्ष।

7. श्री व्यास को उडुपी आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय द्वारा "विश्व रत्न" पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।